

आशा से परे  
चीज जब  
मनुष्य पाता  
है, उसके आनन्द की  
सीमा नहीं रहती।  
-महात्मा गांधी-



दैनिक

# लोकजीवन

जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र

CMYK

www.lokjeevan.com

संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

वर्ष- 19 अंक- 176

जयपुर. शनिवार .

24 अक्टूबर , 2026

RNI No. RAJHIN/2008/26744

मूल्य 1 रुपया

पृष्ठ - 4

## न्यूज इनबॉक्स

### पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण में 418 अभ्यर्थियों ने किया नामांकन

**-पांच पंचायत समितियों के 77 वाडों के लिए कुल 476 नामांकन पत्र दाखिल**  
**-चाकसू में 97, कोटखावदा में 75, माधोराजपुरा में 88, फागी में 89 तथा सांगानेर में 69 अभ्यर्थी**

जयपुर (कासं)। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तृतीय चरण के तहत जयपुर जिले की पांच पंचायत समितियों में पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हुई। चार दिनों में कुल 476 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिनमें 418 अभ्यर्थी शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि तृतीय चरण में चाकसू, कोटखावदा, माधोराजपुरा, फागी एवं सांगानेर पंचायत समितियों के कुल 77 वाडों में पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए निर्वाचन होना है। अब तक चाकसू में 109 नामांकन पत्रों के माध्यम से 97 अभ्यर्थियों, कोटखावदा में 92 नामांकन पत्रों के माध्यम से 75 अभ्यर्थियों, माधोराजपुरा में 97 नामांकन पत्रों के माध्यम से 88 अभ्यर्थियों, फागी में 101 नामांकन पत्रों के माध्यम से 89 अभ्यर्थियों तथा सांगानेर में 77 नामांकन पत्रों के माध्यम से 69 अभ्यर्थियों ने नामांकन किया है। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन चाकसू में 2 अभ्यर्थियों ने 2 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। दूसरे दिन पांचों पंचायत समितियों में 66 अभ्यर्थियों ने 71 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। तीसरे दिन 128 अभ्यर्थियों ने 143 नामांकन पत्र तथा चौथे दिन 222 अभ्यर्थियों ने 260 नामांकन पत्र दाखिल किए। इस प्रकार चार दिनों में कुल 476 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें 418 अभ्यर्थी शामिल हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्रों की संवीक्षा 24 अक्टूबर को की जाएगी। अभ्यर्थी 26 अक्टूबर को अग्राह्य 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे तथा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। तृतीय चरण के लिए मतदान दल 2 नवंबर को खाना होंगे तथा जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए 3 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा।

### प्रियंका का राहुल से उठ गया है

### भरोसा': भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी

### का कांग्रेस पर तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने दावा किया है कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के अंतरराज्यीय सत्र ठीक-ठाक नहीं चल रहा है और पार्टी में फूट पड़ गई है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस के भीतर भाई बानाम बहन की जंग चल रही है। यानी कांग्रेस में राहुल गांधी बनाम प्रियंका गांधी वाड़ा की अंदरूनी लड़ाई चल रही है। भाजपा प्रवक्ता ने यह दावा रेहान वाड़ा की बीकानेर हाउस वाली प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाए जाने के विवाद पर नेता विपक्ष राहुल गांधी की चुप्पी के आधार पर किया है। इसके साथ ही प्रदीप भंडारी ने सवाल उठाया है कि क्या प्रियंका का अपने भाई से भरोसा उठ गया है? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका एक विवाद खड़ा करके अपने बेटे रेहान वाड़ा को 'साफ्ट-लॉन्च' करने की कोशिश कर रही हैं। दरअसल, राहुल गांधी, जो पिछले रविवार को एक निजी यात्रा पर वियतनाम गए हुए हैं, ने अभी तक इस विवाद पर कुछ भी नहीं कहा है।BJP प्रवक्ता ने इसे गांधी भाई-बहनों के बीच खटपट के सबूत के तौर पर पेश किया है। भंडारी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को ट्वीट किया, 'प्रियंका वाड़ा की पूरी कोशिश एक विवाद खड़ा करके अपने बेटे को 'साफ्ट-लॉन्च' करने की थी। उनका राहुल गांधी से राजनीतिक भरोसा उठ गया है।' उन्होंने आगे लिखा है, 'राहुल गांधी, जो वियतनाम से हर मुद्दे पर ट्वीट कर रहे हैं, अब तक रेहान वाड़ा के समर्थन में एक भी ट्वीट नहीं किया है। कांग्रेस में प्रियंका बनाम राहुल चल रहा है।' इससे पहले भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बीकानेर हाउस के अधिकारियों पर लगाए गए प्रियंका गांधी के आरोपों को 'फर्जी' करार दिया था।

### चीनी सेना के नियम तोड़ने की वजह से

### एलएसी पर बिगड़ती है स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर के बयान पर विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जब चीनी सेनाएं पहले से तय गश्त के तौर-तरीकों से हटती हैं, तो भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। हालांकि उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादा जानकारी रक्षा मंत्रालय ही दे जाएगा। आईटीवीपी के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अरुणाचल के अंदर परिस्थितियां ऐसी बनी कि कई जगह फेंस-ऑफ जो अभी भी चल रहा है। बीजी लेवल के अधिकारी की ओर से भारत-चीन के बीच अरुणाचल में टकराव की ये पहली स्वीकारोक्ति है। इस बयान के बयान कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और सरकार से जवाब मांगा है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में शुक्रवार को कहा कि इस मुद्दे से जुड़े जहां तक स्पेसिफिक हैं वो आप रक्षा मंत्रालय से पूछें। आगे रणधीर जायसवाल ने कहा, जैसा कि हमने पहले भी उल्लेख किया है, जब चीनी सेना पहले से तय गश्त के तौर-तरीकों से हटती हैं, तो भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है।

## पैरा एशियन गेम्स में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन: 30 स्वर्ण सहित जीते कुल 114 पदक

### अंतिम दिन चमके भारतीय एथलीट: एक ही दिन में जीते 9 स्वर्ण पदक

आइची-नागोया (एजेंसी)। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में अबतक का अपना स्वर्णश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने आइची-नागोया में 30 स्वर्ण सहित कुल 114 पदक जीते और हांग्झू खेलों का अपना रिकॉर्ड 12 अधिक हैं। शुक्रवार को हालांकि बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं और तीन स्वर्ण पदक जीते। इनमें पेरिस तोड़ दिया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में 27 स्वर्ण सहित कुल 108 पदक जीते थे जो उसका इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। लेकिन इस बार पैरा एथलीटों ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत ने इस तरह अपने अभियान का अंक रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ किया।

भारत ने इस बार इन खेलों में 168 खिलाड़ियों का दल भेजा था जो 2023 में हांग्झू में हुए पिछले चरण में हिस्सा लेने वाले दल की संख्या से लगभग आधा था। भारतीय खिलाड़ियों ने हांग्झू में 27 स्वर्ण सहित 108 पदक जीते थे जो उस समय देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। शुक्रवार को पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में पैरा एथलेटिक्स का दबदबा नहीं रहा बल्कि बैडमिंटन खिलाड़ियों, तीरंदाजों और निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी भारत के पदकों की संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। इस तरह भारत ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान पूरा किया।

भारत फिलहाल पदक तालिका में चौथे स्थान पर है, लेकिन शनिवार को कुछ स्पर्धाओं के फाइनल होने के कारण उसकी स्थिति बदल सकती है। भारत का उन स्पर्धाओं में कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। अभियान के आखिरी दिन भारत ने 9 स्वर्ण पदक जीते जो इस चरण में उसका एक दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये स्वर्ण पदक तीरंदाजी, निशानेबाजी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स में मिले। एथलेटिक्स ने हमेशा की तरह भारत के लिए पदक संख्या

में इजाफा किया। इस स्पर्धा में भारत ने कुल 65 पदक जीते जो 2023 के मुकाबले 12 अधिक हैं। शुक्रवार को हालांकि बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं और तीन स्वर्ण पदक जीते। इनमें पेरिस तोड़ दिया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में 27 स्वर्ण सहित कुल 108 पदक जीते थे जो उसका इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। लेकिन इस बार पैरा एथलीटों ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत ने इस तरह अपने अभियान का अंक रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ किया।

भारत ने इस बार इन खेलों में 168 खिलाड़ियों का दल भेजा था जो 2023 में हांग्झू में हुए पिछले चरण में हिस्सा लेने वाले दल की संख्या से लगभग आधा था। भारतीय खिलाड़ियों ने हांग्झू में 27 स्वर्ण सहित 108 पदक जीते थे जो उस समय देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। शुक्रवार को पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में पैरा एथलेटिक्स का दबदबा नहीं रहा बल्कि बैडमिंटन खिलाड़ियों, तीरंदाजों और निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी भारत के पदकों की संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। इस तरह भारत ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान पूरा किया।

भारत फिलहाल पदक तालिका में चौथे स्थान पर है, लेकिन शनिवार को कुछ स्पर्धाओं के फाइनल होने के कारण उसकी स्थिति बदल सकती है। भारत का उन स्पर्धाओं में कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। अभियान के आखिरी दिन भारत ने 9 स्वर्ण पदक जीते जो इस चरण में उसका एक दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये स्वर्ण पदक तीरंदाजी, निशानेबाजी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स में मिले। एथलेटिक्स ने हमेशा की तरह भारत के लिए पदक संख्या

## यूरोप का दूसरा बड़ा हथियार सप्लायर बना भारत

### रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से 8000 करोड़ के गोला-बारूद सप्लाइ किए, निर्यात 1600% बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत वैश्विक हथियार निर्यातक के रूप में उभरा है। ट्रेड डेटा मॉनिटर के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने यूरोपीय देशों को 8,271 करोड़ रूपए के गोला-बारूद सप्लाइ किए, जिनमें आर्टिलरी और मोर्टार शेल शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और मध्य यूरोप को भारत का रक्षा निर्यात 1600% बढ़ा है। भारत अब दक्षिण कोरिया के बाद इस क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा गोला-बारूद सप्लायर है। चार साल पहले 28वें स्थान पर था। वहीं, मार्च 2026 तक भारत इजराइल को विमान, हेलिकॉप्टर और ड्रोन के पुर्जे सप्लाइ करने वाला तीसरा सबसे बड़ा विदेशी आपूर्तिकर्ता बन गया, जो 2023 में नौवें स्थान पर था।

भारत के पास बड़ी डिफेंस इंडस्ट्री, यूरोप को जरूरत हथियारों के व्यापार पर रिसर्च करने वाली स्वीडन की संस्था सिपरी के सीनियर रिसर्चर सिमोन वेजमैन का कहना है कि यूक्रेन की जरूरतों और यूरोप की रक्षा मांगों को पूरा करने के लिए भारत से हथियार इम्पोर्ट किए जा रहे हैं। भारत के पास इसका एक विकसित रक्षा उद्योग है।

वहीं, किंग्स कॉलेज लंदन में राजनीति विज्ञानी वॉल्टर लाडविग कहते हैं कि भारतीय कंपनियां सीधे यूक्रेन को हथियार देने के बजाय यूरोपीय देशों को बेच रही हैं।

### न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 से पहले वैभव सूर्यवंशी के खेलने की संभावना, कोच ने दी प्रतिक्रिया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितार्शु कोटक का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी को लेकर बना हुआ हाइप उनके और टीम के लिए अच्छा नहीं है। पहले टी-20 में ईशान किशन को जांच के पास की मांसपेशियों में खिंचाव आने के कारण, शनिवार को सूर्यवंशी के खेलने की संभावना है। कोटक इस बात को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि 15 वर्षीय सूर्यवंशी को लेकर जो चर्चा (हाइप) हो रही है, उससे न तो उन्हें और न ही बाकी खिलाड़ियों को कोई मदद मिली है। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 से पहले भारत के बल्लेबाजी कोच सितार्शु कोटक ने कहा, वह अभी बहुत छोटे हैं, लेकिन टीम प्रबंधन में हर कोई उनका बहुत ख्याल रखता है, मैं निष्पक्ष होकर देखता हूं और हर कोई उन्हें पसंद करता है। सोशल मीडिया पर भी उन्हें पसंद किया जाता है और टीम में भी। लेकिन सिर्फ इसलिए कि लोग उन्हें पसंद करते हैं, आप प्लेइंग इलेवन में बदलाव नहीं कर सकते। वह बहुत प्रतिभाशाली हैं और मुझे यकीन है कि उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। इसलिए, जब उन्हें मौके मिलेंगे और वह टीम में पूरी तरह सेट हो जाएंगे, तो वह बहुत कुछ सीखेंगे।



### 6 साल में जितने हथियार बेचे थे, उतने एक साल में बेच दिए

भारत का रक्षा उद्योग एक तरफ यूरोप और यूक्रेन के सहयोगियों को गोला-बारूद की आपूर्ति कर रहा है, तो दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में इजराइल की सैन्य जरूरतों को भी बढ़े पैमाने पर पूरा कर रहा है।

मार्च 2026 तक पिछले दो साल में भारत ने इजराइल को करीब 630 करोड़ रू. मूल्य के आर्टिलरी शेल, मोर्टार राउंड और विस्फोटक भेजे। यह इससे पहले के 6 साल के कुल निर्यात के बराबर है।

### 2022 से जारी रूस-यूक्रेन जंग

रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है।

रूस के पास यूक्रेन के करीब 20% इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे।

## देश के सबसे बड़े आईपीओ में ऑफर से 22 गुना अधिक बोली

मुंबई (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्मस का 30,213 करोड़ के आईपीओ को निवेशकों का भरपूर प्यार मिला। बुधवार को बोली खुलने के महज 100 मिनट के भीतर यह मेगा इश्यू पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था।

शुक्रवार को जब बोली लगनी बंद हुई इसे कुल मिलाकर 22 गुना से अधिक सब्सक्राइब कर लिया गया। जियो प्लेटफॉर्मस के 30,213 करोड़ के ऐतिहासिक आईपीओ में कुल मिलाकर 7.4 लाख करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड तोड़ बोलियां लगीं हैं।

जियो आईपीओ को निवेशकों की ओर से बंपर रिसाप्स मिला है

और इसके अंतिम सब्सक्रिप्शन आंकड़े बेहद शानदार रहे हैं। कुल मिलाकर यह इश्यू 22.19 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जिनका कोटा रिकॉर्ड 70.55 गुना भर गया।

वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 14.00 गुना और रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा, आरक्षित कोटे में भी अच्छी मांग रही, जहां शेयरधारकों ने 7.60 गुना और कर्मचारियों ने 2.93 गुना बोलियां लगाईं। एंकर निवेशकों के हिस्से में कंपनी ने आईपीओ खुलने से



पहले एलआईसी, ब्लैकरोक और फिडेलिटी जैसे प्रमुख घरेलू व वैश्विक संस्थानों से 8,110 करोड़ जुटाए हैं, जबकि एंकर बुक के लिए करीब 72.5 लाख करोड़ की मांग आई थी।

इन्वेस्टर हिस्सेदारी ने एक नया ग्लोबल बेंचमार्क सेट किया

क्यूशिया और शियाओ जूशियान को जोड़ी का सामना करेंगी।

### निशाद-मोना होंगे ध्वजवाहक

आईची-नागोया 2026 एशियन पैरा गेम्स के समापन समारोह में, निशाद कुमार और मोना अग्रवाल भारत के दल का नेतृत्व करते हुए ध्वजवाहक होंगे। यह सम्मान भारत के इन दो पैरा-एथलीटों को सबसे आगे लाता है। इस महाद्वीपीय आयोजन के समापन के मौके पर, यह उन एथलीटों का सम्मान है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व किया है।

### प्रणव ने जीता क्लब श्रो में गोल्ड

एशियाई पैरा खेलों में, भारत के प्रणव सूरमा ने पुरुषों के क्लब श्रो एफ 51 फाइनल में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 32.87 मीटर की दूरी तक श्रो करके एशियाई पैरा खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। इसी इवेंट के फाइनल में भारत के ही धर्मवीर और अमित कुमार भी शामिल थे, जो क्रमशः 27.71 मीटर और 27.26 मीटर के श्रो के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के जंग जी-वोन ने 28.40 मीटर के श्रो के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।

### पोलियो को हराकर मोना बनीं

### विश्व रिकॉर्डधारी

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व रिकॉर्ड के साथ दो स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। निशानेबाज मोना अग्रवाल ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि हनी ने पुरुषों की भाला फेंक एफ37/38 स्पर्धा में 60.49 मीटर का एएसएल3-एसयू5 फाइनल में वह मानसी गिरिशचंद्र जोशी के साथ चीन की यांग

### लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-

-: जयपुर :-

0141-4038281

-: भीलवाड़ा :-

8306792625

उपलब्धियों ने भारत के पदक अभियान को नई मजबूती दी।

मोना अग्रवाल ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। निशानेबाज मोना अग्रवाल ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मोना ने 357.5 अंक हासिल किए और स्वीडन की अन्ना बेंसन के 356 अंकों के पिछले विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मोना की इस उपलब्धि ने भारतीय निशानेबाजी दल को बड़ी सफलता दिलाई।

इस स्पर्धा में चीन की कुइपिंग झांग ने 353.7 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की म्योंग किम 344.4 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। भारत की एक अन्य निशानेबाज अविन लेखरा का प्रदर्शन भी चर्चा में रहा, लेकिन वह 333.2 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इस तरह मोना ने पॉडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अविन पदक से चूक गईं।

मोना की सफलता इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने निशानेबाजी में अपेक्षाकृत देर से शुरूआत की थी। इससे पहले वह पैरा एथलेटिक्स, पैरा पावरलिफ्टिंग और सिटिंग वॉलीबॉल जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा चुकी हैं। दिसंबर 2021 में निशानेबाजी को करियर बनाने का फैसला करने के बाद उन्होंने कम समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। अब एशियन पैरा गेम्स में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीतकर उन्होंने अपने सफर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ दी है।

### नेहा बोरा को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका बेल बॉन्ड को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आइसा अश्विष नेहा बोरा को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। उन्होंने स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) के उस नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें 10 हजार रुपये का बॉन्ड भरने के साथ शांति बनाए रखने को कहा गया था। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। दरअसल, चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध मार्च के दौरान कई संगठनों और नेताओं के प्रदर्शन के बीच नेहा बोरा को स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) की ओर से नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस में उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने और शांति बनाए रखने के लिए 10 हजार रुपये का बॉन्ड भरने को कहा गया था। नेहा बोरा ने इसी नोटिस को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

### मजिस्ट्रेट को देना होगा पूरा मटेरियल

इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में नेहा बोरा की याचिका का विरोध किया था। पुलिस का कहना था कि उनकी याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी, लेकिन साथ ही कहा कि मजिस्ट्रेट को नेहा बोरा को मामले से जुड़ा पूरा मटेरियल देना होगा। कोर्ट ने कहा कि नेहा बोरा को मामले से जुड़ा पूरा मटेरियल दिया जाए। साथ ही, मजिस्ट्रेट को बीएनएसएस की धारा 135 के तहत बॉन्ड भरने की प्रक्रिया पर विचार करना होगा। उन्हें यह भी देखना होगा कि बॉन्ड शुरुआत में ही भ्रष्टाचार जाना चाहिए या पहले मामले की जांच के बाद इस पर फैसला लेना चाहिए। इसके अलावा, शांति भंग होने के खतरे की आशंका पर भी विचार करना होगा। इससे पहले आशुतोष रांका और सौरभ दास की स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट में करीब डेढ़ घंटे तक सुनवाई हुई। इसके बाद दोनों को 17 नवंबर को दोबारा पेश होने के लिए कहा गया।



रखने के लिए 10 हजार रुपये का बॉन्ड भरने को कहा गया था। नेहा बोरा ने इसी नोटिस को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में नेहा बोरा की याचिका का विरोध किया था। पुलिस का कहना था कि उनकी याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी, लेकिन साथ ही कहा कि मजिस्ट्रेट को नेहा बोरा को मामले से जुड़ा पूरा मटेरियल देना होगा। कोर्ट ने कहा कि नेहा बोरा को मामले से जुड़ा पूरा मटेरियल दिया जाए। साथ ही, मजिस्ट्रेट को बीएनएसएस की धारा 135 के तहत बॉन्ड भरने की प्रक्रिया पर विचार करना होगा। उन्हें यह भी देखना होगा कि बॉन्ड शुरुआत में ही भ्रष्टाचार जाना चाहिए या पहले मामले की जांच के बाद इस पर फैसला लेना चाहिए। इसके अलावा, शांति भंग होने के खतरे की आशंका पर भी विचार करना होगा। इससे पहले आशुतोष रांका और सौरभ दास की स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट में करीब डेढ़ घंटे तक सुनवाई हुई। इसके बाद दोनों को 17 नवंबर को दोबारा पेश होने के लिए कहा गया।

### 1 करोड़ आवेदनों को पार कर लिया, इश्यू की बोली शुक्रवार की शाम सात बजे बंद हुई।

-नया वर्ल्ड रिकॉर्ड: वारी एनर्जीज को मिले लगभग 97 लाख एप्लीकेशन के पिछले ग्लोबल रिकॉर्ड को पार कर गया। -दूसरे बड़े आईपीओ से आगे: बजाज हाउसिंग फाइनेंस और बीसीसीएल भारत के पिछले रिकॉर्ड बनाने वालों में से थे, जिन्हें लगभग 90 लाख एप्लीकेशन मिले थे। -अभूतपूर्व निवेशक भागीदारी: 1 करोड़ आवेदनों का आंकड़ा पार करने वाला वैश्विक रूप से पहला आईपीओ बन गया, जो जियो प्लेटफॉर्मस में निवेशकों की मजबूत रचि को दर्शाता है।

CMYK

दैनिक

लोकजीवन

समय: एक घंटा तक एक पत्रिका



आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

आपका पत्रिका

## ‘कठोर राज्य’ नीति और चरमपंथ: पाकिस्तान के सामने दोहरी चुनौती

पाकिस्तान के दक्षिण एशियाई पड़ोसी देश (बांग्लादेश और श्रीलंका) मानव विकास और लैंगिक सूचकांकों में उससे बेहतर स्थिति में हैं। पाकिस्तान ने भारत के साथ सैन्य प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता देते हुए अपने ही लोगों के हितों की अनदेखी की है। सैन्यीकरण के कारण यह देश मानव पूंजी का निर्माण करने, अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और राजनीतिक व्यवस्था को स्थिर करने में विफल रहा है। कार्नेगी एंडोमेंट का कहना है कि मुनिर की कमान में, सेना ने एक कमजोर नागरिक सरकार के जरिये देश में अपना दबदबा मजबूत कर लिया है। सेना ने ऐसा पीएमएल-एन और पीपीपी जैसे प्रतिद्वंद्वियों के बीच तालमेल बिठाकर किया है। इसके साथ ही मीडिया पर नियंत्रण और सेंसरशिप, इंटरनेट पर लगाम, और लगातार कठोर दमन की कार्रवाई भी की गई है। सेना के भीतर मतभेदों को इस तरह संभाला जा रहा है, जिससे आंतरिक विरोध का खतरा बढ़ सकता है। पिछले तीन वर्षों में सेना के नियंत्रण वाली सरकार के सामने मुख्य चुनौती देश के हालात पर अपनी पकड़ मजबूत करना रही है। इसकी कार्यप्रणाली का मूल आधार ‘कठोर राज्य’ का दृष्टिकोण है, जिसमें आंतरिक सुरक्षा और राजनीतिक प्रबंधन के लिए एक सख्त, सैन्य-आधारित ढांचा अपनाया जाता है और राजनीतिक दमन एवं संविधान में बदलाव का सहारा लिया जाता है, ताकि राजनीतिक असहमति तथा जन- लाभबंदी को सीमित किया जा सके।

हालांकि मुनिर ने सफलतापूर्वक अपनी सत्ता मजबूत कर ली है, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार देश के भीतर अपनी स्वीकार्यता बनाने के लिए-या अभिजात वर्ग के समर्थन और उन पर अपनी निर्भरता बनाए रखने के लिए-अंतरराष्ट्रीय सद्भावना पर दांव लगा रही है। कार्नेगी अध्ययन कई सवाल खड़े करता है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से जुड़ा रहे पाकिस्तान का एक आधुनिक और स्थिर राजनीतिक व्यवस्था वाले देश के रूप में उभर पाना मुश्किल लगता है। धर में नहीं दाने, अम्मा चलीं भुनाने-यह कहावत पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति का सटीक वर्णन करती है, जो गंभीर घरेलू दिवालियापन, महंगाई और बुनियादी चीजों की कमी से जूझ रहा है, फिर भी, महंगी रक्षा खरीद और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक दांवपेचों पर भारी निवेश कर रहा है। पाकिस्तान की सभी सरकारों ने बाहरी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल दिया, जबकि आंतरिक मामलों में वे जरूरी काम नहीं कर पाते। ‘पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ़ पोस्ट स्टडीज’ (पिप्स) के एक नए अध्ययन से पता चला है कि पाकिस्तान पिछले एक दशक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई है। मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल इसका कारण भी है और परिणाम भी। संघीय सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आपातकाल की घोषणा करके गवर्नर शासन लागू कर दिया है। वहां ‘पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ’ (पीटीआई) की सरकार थी। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और विधानसभा अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती सहित पार्टी के कई शीर्ष प्रांतीय नेता हिरासत में हैं। आठ अक्टूबर को पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ एक समझौता किया। इस समझौते से पाकिस्तान को अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए 1.2 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि मिल सकती है। पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां और गंभीर हो गई हैं। यह स्थिति तब है, जब देश के सेना प्रमुख, आसिम मुनिर, अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को एक मजबूत और प्रभावशाली देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूच अलगाववादी समूहों और अन्य चरमपंथी संगठनों के हमलों में वृद्धि हुई है। इससे खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों पर विशेष दबाव पड़ा है, जो लगातार गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। पिप्स अध्ययन के अनुसार, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रहे सुरक्षा तनाव बढ़ती अस्थिरता के मुख्य कारणों में से एक हैं। इसके चलते चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत चल रही परियोजनाएं खतरे में पड़ गई हैं। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि हिंसा का जारी रहना पाकिस्तान की आंतरिक स्थिरता के लिए एक बड़ी चुनौती है। पाकिस्तानी धार्मिक विद्वानों और राजनीतिक हस्तियों ने सरकार से आग्रह किया है कि पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याओं के लिए अफगानिस्तान को दोष न दिया जाए। इसके बजाय, इस्लामाबाद को देश की आंतरिक सुरक्षा समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान देना चाहिए। गौरतलब है कि पाकिस्तान के मौजूदा हालात में भारत की भूमिका न के बराबर है। दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे से भिड़ते हैं और एक-दूसरे के बारे में बात तो करते हैं, लेकिन आपस में संवाद नहीं करते।

खाड़ी युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभाने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को कोई खास फायदा नहीं हुआ है। खाड़ी देशों से ऊर्जा आयात, विदेशों से मिलने वाली रकम (रेमिटेंस) और क्षेत्रीय फंडिंग पर निर्भरता के कारण, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर इस युद्ध के बुरे प्रभावों का खतरा बना हुआ है। पाकिस्तानी राष्ट्रवाद, पहचान की तलाश और जनसांख्यिकीय चुनौतियों ने पाकिस्तानी समाज और राजनीति में दरारों को और गहरा ही किया है। 1947 से ही, पाकिस्तानियों के बीच इस पर बहस होती रही है कि उनका देश ‘मुस्लिम-बहुसंख्यक’ राष्ट्र है या ‘इस्लामिक’ राष्ट्र। यह विभाजन राजनीति, समाज, शिक्षा पाठ्यक्रम, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति-हर जगह दिखाई देता है।

## महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर, आमजन को रेलवे में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

**जयपुर (कास)।** उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा रेलवे परिसरों एवं ट्रेनों में स्वच्छता को बढ़ावा देने, यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान-6.0 के अंतर्गत शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 को जयपुर स्थित पत्रिका गेट पर स्वच्छता प्रदर्शनी एवं ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता पर आधारित नुक़्कड़ नाटक, लघु फिल्म, प्रदर्शनी एवं प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के स्वागत संबोधन में उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुपूर्यन ने कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए विशेष अभियान-6.0 के उद्देश्यों एवं रेलवे में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। पंकज शर्मा, महाप्रबंधकउत्तर पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा आमजन को रेलवे में स्वच्छता संबंधी पहलों, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को स्वच्छ रेल परिसर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।



महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक ‘स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत’ थीम पर ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान चलाया गया। इस दौरान 8,000 से अधिक स्वच्छता लक्षित इकाइयों को चिह्नित कर उनके रूपांतरण एवं सुधार की दिशा में कार्य किया गया। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों एवं रेलवे परिसरों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें सफाई मित्रों, यात्रियों और आमजन को सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई।

महाप्रबंधक ने बताया कि विशेष अभियान-6.0 के अंतर्गत ई-वेस्ट के

समुचित निस्तारण तथा स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 22 अक्टूबर 2026 को उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर मेगा ड्राइव के अंतर्गत ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेल जन संवाद के दौरान रेल सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया गया तथा यात्रा के दौरान सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को गहनता से समीक्षा कर उनके समाधान और आवश्यक सुधार के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को हमें अपनी आदत और कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के बैंड दल ने मनमोहन प्रस्तुतियां दी गईं। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा आमजन एवं यात्रियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रेलवे सेवाओं को अधिक सुविधाजनक बनाने, स्वच्छता व्यवस्था में निरंतर सुधार करने तथा स्वच्छ रेल वातावरण विकसित करने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इस दौरान अपर महाप्रबंधक जे.एस लाकरा मंडल रेल प्रबंधक जयपुर मंडल रवि जैन सहित मुख्यालय के अधिकारी गण, कर्मचारी गण, मीडिया मीडिया के प्रतिनिधिगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

### कृषि आदानों की गुणवत्ता जांच में राजस्थान सरकार की ऐतिहासिक पहल

## अब कृषि आदानों के नमूनों की जांच होगी फेसलेस, कॉन्टैक्टलेस और पारदर्शी

**निरीक्षक मौके पर ही डिजिटल माध्यम से लेंगे नमूने**

नई व्यवस्था के अंतर्गत कृषि आदान निरीक्षक दृढ़दृक्त्स मोबाइल ऐप के माध्यम से मौके पर ही नमूना संग्रहण की प्रक्रिया पूरी करेंगे। नमूना लेते समय नमूना संग्रहण स्थल की जीपीएस आधारित जियो-टैगिंग की जाएगी तथा संबंधित उत्पाद की तस्वीरें, उत्पाद के विवरण एवं आवश्यक दस्तावेज डिजिटली लिए जाएंगे। नमूने की पहचान के लिए सिस्टम द्वारा त्ककोड जनरेट किया जाएगा। साथ ही नमूने को सुरक्षित रखने के लिए टैम्पर-प्रूफ पैकिंग की जाएगी। इस व्यवस्था से नमूना संग्रहण का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा तथा बाद में रिकॉर्ड में अनधिकृत बदलाव अथवा नमूने से छेड़छाड़ की संभावनाओं को कम किया जा सकेगा।

**निरीक्षक अपनी पसंद की प्रयोगशाला में नहीं भेज सकेंगे नमूने**

नई व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता प्रयोगशालाओं का ‘सिस्टम आधारित रैंडम आवंटन’ है। इसमें, दृढ़दृक्त्स प्रणाली स्वतः निर्धारित करेगी कि नमूना किस अधिकृत गुणवत्तापूर्ण में परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। इससे किसी विशेष प्रयोगशाला के चयन में व्यक्तिगत हस्तक्षेप की संभावना समाप्त करने में सहायता मिलेगी। साथ ही प्रयोगशाला को नमूने से संबंधित डीलर अथवा निर्माता की पहचान उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। यह दोहरी गोपनीयता व्यवस्था परीक्षण प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता को मजबूत करेगी।

**भारतीय डाक विभाग के माध्यम से नमूनों का सुरक्षित परिवहन**

समझौते के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा डाक विभाग को जयपुर में भेजा जाएगा, वहां पर नमूनों की पहचान को मास्क किया जाएगा। इसके बाद डाक विभाग प्रदेशभर से एकत्र किए गए नमूनों को स्पीड पोस्ट एवं बिजनेस पोस्ट सेंटर सेवाओं के माध्यम से अधिकृत प्रयोगशालाओं तक पहुंचाएगा। डाक विभाग नमूनों की ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान



करेगा। उक्त समझौता तीन वर्ष की अवधि के लिए किया गया है, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। भारतीय डाक विभाग द्वारा कृषि विभाग को Book Now Pay Later (BNPL) सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

**किसानों को मिलेंगे महत्वपूर्ण लाभ**

इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा। कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय काफी हद तक गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों की उपलब्धता पर निर्भर करती है। नकली, अमानक अथवा घटिया कृषि आदानों के उपयोग से किसानों को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता भी प्रभावित हो सकती है।

**नई डिजिटल गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था से**

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी: निष्पक्ष जांच से अमानक उत्पादों की पहचान एवं उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अधिक प्रभावी हो सकेगी। किसानों के आर्थिक हितों की सुरक्षा होगी: घटिया बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण से फसल नुकसान के जोखिम को कम करने में सहायता मिलेगी।

**कृषि आदानों के प्रति विश्वास बढ़ेगा:**

जांच प्रक्रिया की विश्वसनीयता बढ़ने से

किसानों का कृषि विभाग की गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था पर भरोसा मजबूत होगा। विक्रेताओं एवं निर्माताओं को लाभ मिलेगा: निष्पक्ष जांच से गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने वाले व्यापारियों को समान अवसर प्राप्त होंगे।

**कृषि उत्पादकता में सुधार को बढ़ावा**

मिलेगा: गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की उपलब्धता से बेहतर फसल उत्पादन एवं किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

**भ्रष्टाचार एवं मिलीभगत की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण**

नई व्यवस्था कृषि आदानों के गुणवत्ता नियंत्रण में सुशासन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनेगी। फेसलेस एवं कॉन्टैक्टलेस प्रणाली से नमूना संग्रहण, प्रयोगशाला आवंटन तथा परीक्षण के दौरान अनावश्यक व्यक्तिगत संपर्क एवं प्रभाव की संभावनाएं कम होंगी। सिस्टम आधारित प्रयोगशाला आवंटन से किसी विशेष नमूने को मनचाही प्रयोगशाला में भेजने की संभावना को नियंत्रित किया जा सकेगा। डिजिटल हस्ताक्षर, जियो-टैगिंग, त्ककोड एवं टैम्पर-प्रूफ पैकिंग से नमूना संग्रहण की प्रामाणिकता बढ़ेगी। ऑनलाइन परीक्षण परिणाम एवं डिजिटल अभिलेखों से जवाबदेही सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इस प्रकार नई व्यवस्था केवल नमूनों के निरवहन में सुधार नहीं, बल्कि कृषि गुणवत्ता नियंत्रण की संपूर्ण कार्यप्रणाली को

अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में एक व्यापक प्रशासनिक सुधार है। इससे संबंधित पक्षों को निष्पक्ष परीक्षण एवं पुनः परीक्षण की निर्धारित प्रक्रिया का लाभ मिल सकेगा।

**डिजिटल गवर्नेंस एवं ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा**

डिजिटल अभिलेखों एवं ऑनलाइन परीक्षण प्रक्रिया से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी तथा गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियों की निगरानी बेहतर होगी। साथ ही ईमानदार कृषि आदान निर्माताओं एवं विक्रेताओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच व्यवस्था का लाभ मिलेगा। यह पहल राजस्थान में डिजिटल गवर्नेंस, सुशासन एवं ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

**किसानों के हितों की रक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता— कृषि आयुक्त**

इस अवसर पर कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज, उर्वरक तथा कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कृषि आदानों की गुणवत्ता का सीधा संबंध किसानों की फसल, उत्पादन लागत, उत्पादकता एवं आय से है। इसलिए गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था का निष्पक्ष एवं विश्वसनीय होना अत्यंत आवश्यक है।

**कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा है कि**

‘हमारा उद्देश्य केवल कृषि आदानों के नमूनों की जांच करना नहीं, बल्कि ऐसी पारदर्शी एवं विश्वसनीय व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें किसी भी स्तर पर अनुचित हस्तक्षेप की गुंजाइश न्यूनतम हो। तकनीक के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जांच प्रक्रिया निष्पक्ष हो, किसानों के हित सुरक्षित रहें तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने वाले ईमानदार व्यापारियों को भी संरक्षण मिले।’

### ‘दीपावली उत्सव’ का भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन, 2,500 से अधिक आगंतुकों ने लिया हिस्सा

## 80 से अधिक स्टॉल्स पर सजे हस्तशिल्प एवं हथकरघा उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

**जयपुर (कास)।** जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जयपुर (शहर) द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर 22 गोदाम स्थित परिसर में आयोजित दो दिवसीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा प्रदर्शनी ‘दीपावली उत्सव’ का आज उत्साहपूर्ण समापन हुआ। प्रदर्शनी के दौरान 2,500 से अधिक आगंतुकों ने सहभागिता की, जबकि 80 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से स्थानीय शिल्पकारों एवं बुनकरों के उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। अंतिम दिन भी शहरवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने विभिन्न स्टॉल्स पर उपलब्ध पारंपरिक एवं हस्तनिर्मित उत्पादों की जमकर खरीदारी की। प्रदर्शनी में जयपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा तैयार किए गए विविध पारंपरिक उत्पाद



प्रमुख आकर्षण रहे। बगर एवं सांगानेरी ब्लॉक प्रिंट, बंधेज, विश्वप्रसिद्ध जयपुर ब्लू पॉटरी, कुंदन-मीनाकारी आभूषण, काष्ठ शिल्प, तारकशी कला, पारंपरिक चित्रकलाएं, मिट्टी के बर्तन, गृह सज्जा

सामग्री तथा दीपावली पूजन सामग्री को आगंतुकों ने विशेष रूप से पसंद किया। उत्पादों के प्रति लोगों की रुचि और उत्साहपूर्ण खरीदारी ने स्थानीय हस्तशिल्प की लोकप्रियता को प्रदर्शित किया।

**‘वोकल फॉर लोकल’ को मिला प्रोत्साहन-** ‘दीपावली उत्सव’ का मुख्य उद्देश्य स्थानीय दस्तकारों एवं बुनकरों को प्रत्यक्ष बाजार उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना तथा उन्हें सीधे

उपभोक्ताओं से जोड़ना रहा। इस पहल ने पारंपरिक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ स्थानीय कारीगरों की आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदर्शनी में 2,500 से अधिक

आगंतुकों की सहभागिता और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के प्रति उत्साह ने ‘वोकल फॉर लोकल’ एवं ‘आत्मनिर्भर भारत’ की भावना को और मजबूती प्रदान की।

दो दिवसीय आयोजन ने स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला, कौशल एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ अपने उत्पादों के विपणन एवं बिक्री के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराया। आयोजन के प्रति आमजन की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय शिल्प परंपराओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी शिल्पकारों, बुनकरों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

### राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

**जयपुर (कास)।** राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के फार्मसी विभाग द्वारा ‘औषधि वितरण में कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण: आवश्यकता एवं संभावनाएँ’ विषय पर आयोजित दो दिवसीय भारत-ब्रिटेन सहयोगात्मक संयुक्त कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में भारत के सात राज्यों के 20 संस्थानों से 125 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का आयोजन यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग संवर्धन योजना के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में राजस्थान संस्थान आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने और उनका लक्ष्य राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय को एक ऐसे संस्थान के रूप में स्थापित करना है, जिसका अनुसंधान आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने में सार्थक योगदान दे। वर्तमान अनुसंधान कार्यक्रमों के स्वास्थ्य और उपचार परिणामों में

प्रासंगिकता पर बल देते हुए उन्होंने औषधि वितरण में कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण को वैज्ञानिक अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण एवं समसाधक क्षेत्र बताया।

उन्होंने शोधकर्ताओं को समाज के कल्याण के लिए इन तकनीकों की संभावनाओं का अन्वेषण करने और उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान रायबरेली की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने और उनका लक्ष्य राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय को एक ऐसे संस्थान के रूप में स्थापित करना चाहिए, बल्कि इन कार्यक्रमों को प्रभावी एवं जिम्मेदार उपयोग करने के लिए आवश्यक ज्ञान और विशेषज्ञता अर्जित करनी चाहिए। उन्होंने रोगियों के स्वास्थ्य और उपचार परिणामों में

सुधार के लिए किफायती दवाओं के विकास के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने प्रतिभागियों को निरंतर नए कौशल सीखने तथा उन्हें अपने अनुसंधान कार्यों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना किया जा सके। यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से डॉ. मुहम्मद वहाजुद्दीन ने भी कार्यशाला में सहभागिता की। सूत्र स्थित सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से डॉ. नावेद मलिक विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए। ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय की डॉ. अमालिया रुइज और डॉ. विभु झा ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की, जो भारत और ब्रिटेन के बीच शैक्षणिक सहयोग को भावना को दर्शाता है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान कार्यशाला की कार्यपुस्तिका का भी विमोचन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य अंतर्विषयक अधिगम को बढ़ावा देना, अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करना तथा औषधीय अनुसंधान और औषधि वितरण के क्षेत्र में कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण की संभावनाओं का अन्वेषण करना है।

## प्रेग्नेंसी के बाद ढीली पड़ चुकी है त्वचा तो अपनाएं ये टिप्स



डिलवरी के बाद महिलाओं को बढ़ते वजन, ढीली और लटकती हुई त्वचा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही अक्सर महिलाओं को स्ट्रेच मार्क्स जैसी परेशानिया भी होने लगती हैं। जो की देखने में बहुत ही गंदे लगते हैं। इस तरह की परेशानियों से निजात पाने के लिए महिलाएं कई तरह के नुस्खे ट्राई करती हैं। मगर इतना कुछ करने के बाद भी कई बार ज्यादा फर्क नहीं दिखाई पड़ता। ऐसे में आज हम आपको कुछ आसान से टिप्स बताएंगे, जिनको नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में अपनाने से कुछ ही समय के बाद इन समस्याओं से निजात पाई जा सकती है।

### प्रोटीन से युक्त भोजन

प्रेग्नेंसी के बाद महिलाएं को प्रोटीन युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए। ऐसा करने से एक तो उनके शरीर में आई कमजोरी दूर होती है। दूसरा इससे पेटी की चर्बी से निजात मिलती है। पेट की ढीली पड़ी चर्बी को ठीक करने के लिए अपनी डाइट में अंकुरित चना, मछली, या न्यूट्रीला दूध को खाने से शरीर में प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ जाने के साथ ही त्वचा में कसाव लाने में भी मदद मिलती है।

### मसाज करें

पेट की ढीली पड़ी चर्बी को सही करने के लिए दिन में कम से कम 10 मिनट तक विटामिन युक्त क्रीम से मसाज करें। ऐसा करने से स्किन में ग्लो आने के साथ ही खून का संचार ठीक ढंग से होने लगता है।

### बच्चे को दूध पिलाना

कुछ महिलाएं बच्चे को खुद का दूध नहीं पिलती। वह सोचती हैं कि दूध

पिलाने से उनके बाँड़ी की शेप खराब हो जाएगी, जो की गलत है। बच्चे को दूध पिलाने से ऑक्सिटोसीन नामक हार्मोन बनता है जिससे गर्भाशय सिकुड़ जाता है। इससे महिला का शरीर गर्भावस्था से पहले के आकार में आ जाता है।

### मल्टीविटामिन

अगर आप चाहें तो डॉक्टरों सलाह पर विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई वाली दवाओं का सेवन भी कर सकते हैं। ये विटामिन त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। साथ ही त्वचा की नई कोशिकाओं को बनाने में मदद करता है। इसेस त्वचा सुंदर दिखती है।

### खाने पर दें ध्यान

खाने में फाइबर, प्रोटीन, फल, हरी सब्जियां का सेवन करें। इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें की जो भोजन आप खा रहें हैं उसमें फीट की मात्रा बहुत कम हो। पानी ज्यादा से ज्यादा पीएं इसे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और शरीर से फेट व टॉक्सीन आसानी से बाहर निकलेंगे। इस तरह खान- पान पर ध्यान रखकर कुछ ही दिनों में पेट की चर्बी से निजात मिल जाएगी।

## मां का दूध छुड़वाने के बाद बच्चे को खाने में जरूर दें ये 6 फूड्स

बच्चों को छ महीने तक स्तनपान करवाना बहुत जरूरी होता। जन्म के कुछ महीने तक बच्चा मां के दूध पर ही निर्भर करता है। उस दूध से ही बच्चे का विकास होता है। इसके साथ ही मां का दूध बच्चे को कई बीमारी से भी बचाता है। मगर छ महीने के बाद स्तनपान की आदत छुड़वाना मां के लिए बहुत ही मुश्किल काम होता है। कुछ महिलाएं एक दम से बच्चे को दूध पिलाना बंद कर देती हैं जो की गलत है। ऐसे में स्तनपान छुड़वाने से पहले अपने शिशु में कुछ जरूरी फूड की जरूरी आदतें डालें, ताकि उन्हें जरूरी और सम्पूर्ण पोषण मिल सके।

### दाल का पानी

बच्चे को पहले छ महीने मां का दूध पिलाना बहुत जरूरी होता है। मगर छ महीने के बाद बच्चे को दूध के साथ दाल का पानी पीने को दें। ऐसा करने से शिशु के शरीर में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों की कमी नहीं होगी।

### खिचड़ी

बच्चे को मूंग दाल की खिचड़ी खाने को खाने में दें। बच्चे को हमेशा पतली खिचड़ी खाने को दें ताकि बच्चा उसको आसानी से खा और पचा सके।

### सब्जियों का सूप



मां का दूध छुड़वाने के बाद उसको सब्जियों का सूप पिलाना शुरू करें। हरी सब्जियों को उबाल कर उसमें नमक डालें। इस तरह तैयार सूप पिलाने से बच्चों को संपूर्ण पोषण मिलने के साथ ही शरीर में पानी की कमी भी दूर होती है।

### सूजी की खीर

जैसे- जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है। वैसे उसके शरीर की जरूरतें भी बढ़ने लगती हैं। केवल दूध पीने से बच्चे को पेट नहीं भरता। ऐसे में बच्चे को खाने के लिए सूजी की खीर दे सकते हैं। सूजी की खीर बनाने के लिए आधा कप दूध गर्म करें। उसमें 2 छोटे- छोटे चम्मच सूजी के डालें। जब यह पक जाए तब इसमें थोड़ी सी चीनी मिला कर शिशु को खिलाएं।

### फल

छोटे बच्चे खट्टे फलों को बड़ा खुश हो कर खाते हैं। बच्चे को संतरा, कौनू और मौसमी फल खाने को दे सकती हैं। आप इन फलों का जूस भी शिशु को दें, लेकिन ध्यान रहे यह जूस घर का फ्रेश जूस हो।

### फिंगर फूड

फिंगर फूड यानि हाथ में पकड़ कर खाने वाले फूड। जैसे गाजर, चीज के टुकड़े, केले की फांक या मुलायम नाशपति खाने को दें। ऐसा करने से बच्चा धीरे- धीरे खूद ही उसको खाने लगेगा।



## कहीं आप तो नहीं डालते बच्चे पर पढ़ाई का ऐसा दबाव?

पेरेंट्स की भूमिका निभाना कोई आसान काम नहीं है। बच्चे की सही परवरिश करते समय पेरेंट्स को कई बातों पर ध्यान रखना पड़ता है, उन्हें अपने से ज्यादा बच्चे की खुशी देखनी पड़ती है। कहते हैं कि बच्चे का पहला टीचर जो होता है वो पेरेंट्स ही होते हैं क्योंकि बच्चा स्कूल जाने से पहले जो कुछ भी सीखता है, वो अपने माता-पिता से ही सीखता है। ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर काफी चिंतित रहते हैं। खासकर परीक्षा आने पर बच्चों पढ़ाई का दबाव डालने लगते हैं, जिसका बच्चे के दिमाग पर गलत असर पड़ने लगता है। इसलिए बच्चों से कोई भी बात करते समय समझदारी से काम लें, ताकि बच्चा उस बात को अच्छे से समझ भी जाए और उसके दिमाग पर गहरा असर भी न हो। आज हम आपको कुछ ऐसी ही बातों के बारे में बताएंगे, जो बच्चों के दिमाग पर गहरा असर करती है।



### खुद से तुलना करना

बच्चा जैसा भी है, लेकिन उसपर पढ़ाई को लेकर ज्यादा प्रेशर मत डालें। इसके अलावा

सकता है, जिसका गलत परिणाम भी निकल सकता है। ऐसे में पेरेंट्स को समझना चाहिए कि सभी बच्चों की दिमाग एक जैसा नहीं होता।

### आने दो तुम्हारे पापा को...

अक्सर मांएं बच्चों को पापा का डरावा देकर उसे पढ़ने को कहती हैं लेकिन पापा के नाम यह अनुशासन कई बार बच्चों को उदंड या फिर डरपोक बना देता है। बच्चों के मन में पापा के प्रति प्यार की जगह खौफ बस जाता है।

### हर समय ताना देना

बच्चों के हमेशा पढ़ाई को लेकर ताने मारते रहना, ये आदत बिल्कुल गलत है। आपके यहीं ताने बच्चों को गुस्सेल और चिड़चिड़ा बना देते हैं। ऐसे में बच्चों के ताने देने की बजाए, उसके साथ प्यार से बात करें। उसका पढ़ाई में कमजोरी का कारण जानने की कोशिश करें।

## बच्चे को नहीं आती नींद तो डाइट में शामिल करें ये फूड्स

बच्चे दिनभर भागते- दौड़ते और शरावते करते रहते हैं। पूरा दिन इधर- उधर घूमने के बाद भी कई बच्चों को रात में नींद नहीं आती। नींद न आने से बच्चे के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। बच्चे को रात- रात भर जागता देखकर माता- पिता परेशान होने लगते हैं। बच्चों की इस आदत से परेशान हो कर मां- बाप कई बार उनको डांटना भी शुरू कर देते हैं। जो की गलत है। अगर आपके बच्चों को भी रात में नींद नहीं आती, तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे फूड्स बताएंगे जिनको खाने से बच्चे को नींद न आने की समस्या दूर हो जाएगी। तो आइए जानते हैं उन फूड्स के बारे में।



### किवी

किवी में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और सेरोटोनिन नामक तत्व पाए जाते हैं। इसको खाने से आसानी से नींद आ जाएगी जाती है। जिन बच्चों को रात में नींद नहीं आती। उनको रोजाना किवी का सेवन करना चाहिए।

### केला

अक्सर लोग रात को केला खाने से परहेज करते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि रात को सोने से पहले केला खाने से अच्छी नींद आती है। अगर आपके बच्चे को नींद न आने की समस्या है, तो उसकी डाइट में केला जरूर शामिल करें।

### बादाम

बादाम में मैग्नीशियम, फाइबर, प्रोटीन, अमीनो एसिड होते हैं। जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करता है। इसके

अलावा बादाम में ट्रिप्टोफेन नामक तत्व पाया जाता है। जो की अच्छी नींद लाने के लिए फायदेमंद होते हैं।

### हरी सब्जियां

बच्चों की डाइट में हरी सब्जियों को जरूर शामिल करें। रोजाना इनको खाने से अच्छी नींद आती है। अगर आपके बच्चे को रात को नींद न आने की समस्या है तो उसको सोने से पहले हमेशा हरी सब्जी खाने को दें। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में बच्चे को अच्छी नींद आने लगेगी।

### विटामिन डी से भरपूर भोजन

बच्चों को ऐसा खाना खाने को दें, जिसमें विटामिन डी की भरपूर मात्रा हो। इसके साथ ही बच्चे को थोड़ी देर के लिए धूप में बैठने के लिए कहें। विटामिन डी वाला खाना खाने और धूप में बैठने से थोड़े ही दिन बच्चे की अग्निका की समस्या दूर हो जाएगी।

## आपके कान का वैक्स बताएगा आपको है कौन सी बीमारी



कान में बनने वाले वैक्स को सेरुमेन कहा जाता है, जो फेटी एसिड, स्कवालिन और एल्कोहल का बना होता है। इन केमिकल के कारण ही कान में मौजूद वैक्स हमारे कान को बैक्टीरिया और फंगस आदि से होने वाले कई तरह



के इन्फेक्शन से बचाते हैं। कान में मौजूद वैक्स कई रंग के होते हैं, जो आपको आपकी सेहत से जुड़ी जानकारी दे सकते हैं। तो आइए जानते हैं वैक्स का कौन सा रंग देता है किस बीमारी का संकेत

ग्रे कलर  
यह आपके शहरों में मौजूद प्रदूषित धूल की वजह से होता है। इसके लिए घबराने की जरूरत नहीं।

खून के धब्बों के साथ  
अगर कान साफ़ करते समय खून आए, तो इसका मतलब है कि आपके कान के पर्दे में छेद है, जिसकी वजह से आपको ओटाइटिस हो सकती है।

भूरा रंग  
यदि आपके कान से डार्क कलर का वैक्स निकल रहा है तो इसका मतलब यह है कि आप बहुत ही ज्यादा शारीरिक तनाव में हैं। आपको शांत माहौल में समय बिताने की जरूरत है।

काला रंग  
काले रंग के वैक्स का मतलब है कि आपको फंगल इन्फेक्शन है। आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

सफेद रंग  
इसका मतलब है कि आपके शरीर में विटामिन और मिनरल्स खासकर कॉपर की कमी हो गई है। आपको अपनी डाइट में बीन्स और ओट्स आदि को शामिल करना चाहिए।

दुर्गन्ध वाला वैक्स  
वैक्स से दुर्गन्ध आने का मतलब है कि आपके कान के मध्य भाग में इन्फेक्शन हो गया है। इसके लिए आपको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

लिक्रिड वैक्स  
अगर आपके कान का वैक्स लिक्विड जैसा निकल रहा है तो आपके कान में इन्फ्लेमेशन होने की संभावना हो सकती है। आप किसी अच्छे डॉक्टर से इस बारे में मिलें।

सूखा वैक्स  
सूखे वैक्स का मतलब होता है कि आपके शरीर में फेट की कमी हो गई है और इस वजह से आपको स्किन से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं।

### नॉन टॉक्सिक खिलौनों से रखें दूर

कई बार कुछ खिलौने देखने में बहुत आकर्षक होते हैं, जो देखते ही पसंद आ जाते हैं लेकिन उसे खरीदने से पहले इस बात को जरूर जांच ले कि उसमें कोई हानिकारक रसायन तो नहीं लगे। जिसके कारण आपके बच्चे को किसी तरह का नुकसान न हो।

## बच्चों के लिए चुनें ऐसे खिलौने जिनका कोई न हो नुकसान

बच्चों को नए-नए खिलौनों का बहुत शौक होता है। मार्कीट पहुंचते ही वह पेरेंट्स को अपनी डिमांड सुनाने लग जाते हैं। इनके बिना उनका बचपन अधूरा होता है, इसलिए आपको उनकी उम्र के हिसाब से ही उनके लिए खिलौने खरीदने चाहिए। खेलों का उनके व्यक्तित्व पर बहुत प्रभाव पड़ता है। वह इनसे बहुत कुछ सीखते हैं खेल-खेल में ही बच्चों का शारीरिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास होता है। आपको उनके लिए ऐसे खिलौने खरीदने चाहिए जो उनके लिए सुरक्षित हो और उन्हें इनके साथ खेलते हुए किसी तरह का नुकसान न हो। आइए जानते हैं इन्हें खरीदने से पहले किन-किन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है।



### खिलौने नुकीले न हो

अगर आप बच्चों के लिए खिलौने खरीद रही हैं तो इस बात का खास रखें कि यह नुकीले व धारदार नहीं होने चाहिए, क्योंकि बच्चों को हर चीज मुंह में डालने की आदत होती है। जिससे उन्हें चोट



लगने का डर होता है।

### खिलौने पर छेदे-छोटे पार्ट न हो

कभी भी ऐसे खिलौने न खरीदें जिनके छोटे-छोटे पार्ट हो जो आसानी से अलग हो जाएं। क्योंकि बच्चे उन्हें मुंह में डाल कर निगल सकते हैं। कई

बार तो यह पार्ड्स गले में फंस जाते हैं। जिसके कारण बड़े बिराए समस्या पैदा हो जाती है।

### मजबूत खिलौने खरीदें

कई बार बच्चे खेलते हुए खिलौनों को नीचे फेंकते रहते हैं या फिर अपने साथी के साथ खीना छपटी करते हैं तो खिलौने हल्के और कमजोर होने के कारण टूट भी सकते हैं। जिसके कारण टूटे हुए खिलौनों से भी बच्चों को चोट लग सकती है।

### ज्यादा आवाज वाले खिलौने न हो

अगर आप बच्चों के लिए ऐसे खिलौने लेने जा रहे हैं, जिसमें म्यूजिक हो तो इस बात का खास ख्याल रखें कि इसकी आवाज तेज न हो ताकि आगे जाकर उनके सुनने की क्षमता पर असर हो। कई बार कुछ खिलौने चलते हुए बहुत आवाज करते हैं, ऐसे खिलौनों से भी अपने बच्चों को दूर रखें।



# राजस्थान को मैनुफैक्चरिंग हब बनाने में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्य सचिव

## राज्य में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं के अनुरूप पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों को सुदृढ़ बनाने पर जोर

**जयपुर (कासं)।** राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण एवं तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में 'संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के 10 राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जोधपुर, अजमेर, कोटा, अलवर, भरतपुर, सीकर, बीकानेर, जयपुर, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जयपुर एवं कोटा के प्राचार्यों ने अपने-अपने संस्थानों की तकनीकी शाखाओं, आधारभूत सुविधाओं, विद्यार्थियों के प्लेसमेंट, नवाचारों, उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, भविष्य की कार्ययोजना एवं प्रमुख चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

मुख्य सचिव ने राजस्थान को मैनुफैक्चरिंग हब बनाने में



पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इन महाविद्यालयों को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ते औद्योगिक निवेश के साथ तकनीकी शिक्षा एवं कुशल कार्मिकों के रोजगार की कुशल तकनीकी कार्मिकों एवं ब्लू-कॉलर वर्कफोर्स की मांग निरंतर बनी रहेगी, ऐसे में पॉलिटेक्निक शिक्षा को उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्नत

करना होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप इन महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम को अपडेट करने के साथ ही फैकल्टी के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट और बेहतर वेतन पैकेज सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी

शिक्षा संस्थानों एवं उद्योगों के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए नियमित रूप से वर्कशॉप, फोल्ड विजिट एवं तकनीकी संवाद आयोजित किए जाएं। संस्थानों में वर्कशॉप, सेमिनार एवं नवीन तकनीकों पर विशेष सर्वों का निरंतर आयोजन होना चाहिए ताकि शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं उद्योगों की कार्यप्रणाली समझने के अवसर मिल सकें।

मुख्य सचिव ने पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों के बीच सहभागिता बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी कार्यक्रमों में आपसी सहयोग को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने प्रदेश में कम से कम पांच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

## राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रूप में प्रदर्शित हो राजस्थान का विकास मॉडल- मुख्य सचिव

**जयपुर (कासं)।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (रीति) के तत्वावधान में 26 से 28 दिसंबर तक आयोजित होने वाले छठे राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन (एनसीसीएस) की तैयारियों की समीक्षा बैठक शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सम्मेलन के लिए तैयार किए जाने वाले प्रस्तुतिकरण और दस्तावेजों में 'विकसित राजस्थान 2047' के विजन, राज्य की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं तथा बेस्ट प्रैक्टिसेज को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी सूचनाएं और आंकड़े समय-समय पर अद्यतन भी रखे जाएं। श्रीनिवास ने कहा कि तैयारियों और आपसी समन्वय को बेहतर बनाने के लिए एक पृथक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिससे सभी आवश्यक सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सके। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने फोडबैक और स्टेट-स्पेसिफिक नोट्स तय समय-सीमा में पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। इस दौरान बताया गया कि आयोजन स्थल पर लगने वाली प्रदर्शनी के लिए राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

## ‘शुद्ध आहार मिलावट पर वार’: जयपुर में 1125 किलो सदिध सरसों तेल सीज



**जयपुर (कासं)।** शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर सी एम एच ओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने प्रताप नगर स्थित एक फर्म पर कार्यवाही करते हुए 1125 किलो सदिध सरसों तेल

सीज किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि टीम ने मैसर्स संतोष सेल्स कॉर्पोरेशन पर निरीक्षण में दीप सारा ब्रांड सरसों तेल के पैकड टिन को खुलवाकर तेल के रंग एवं सुगंध में प्रथम दृष्ट्या मिलावट होने का अंदेशा होने पर नमूने लेकर 75 टिन सरसों तेल लगभग 1125

किलो को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक मौके पर सीज किया गया। उक्त सरसों तेल दिल्ली बाईपास, लक्ष्मी नारायण पुरा स्थित मैसर्स गोयल ऑयल उद्योग द्वारा निर्मित था। उक्त फर्म के सरसों तेल के नमूने पूर्व में भी जांच रिपोर्ट में अनसफ पाए गए हैं। मैसर्स महेश ट्रेडिंग कंपनी से भी एवं सरसों तेल मैसर्स छीतर मल पदमचंद

जैन, बस्सी से लाल मिचं पाउडर, मैसर्स रामचरण रामगोपाल, बस्सी से चाय, कट्टा जनरल स्टोर कानोता से सरसों तेल एवं मैसर्स अरवाली हनी इंडस्ट्रीज प्रहलादपुरा से शहद के नमूने लिए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

## 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पात्र नागरिक जुड़वा सकते हैं मतदाता सूची में अपना नाम

**जयपुर (कासं)।** भारत निर्वाचन आयोग अधिक संख्या में मतदाता सूची हेतु पात्र 18-19 आयु वर्ग के युवाओं सहित अन्य छुटे हुए पात्र

19 आयु वर्ग के युवाओं के लिए 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने उक्त अभियान की गति प्रदान करने के उद्देश्य से सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ के साथ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की।

आयु वर्ग के युवाओं को ऑफलाइन एवं https://voters.eci.gov.in/ के माध्यम से



जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार 18-19 आयु वर्ग के युवाओं सहित अन्य छुटे हुए नागरिकों को मतधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से फार्म 6 भरवाकर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़ने का काम जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने सभी ईआरओ को निर्देशित किया है कि वे उनके क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में क्लस्टर कैप आयोजित कर बीएलओ के माध्यम से अधिक से

ऑनलाइन फार्म अनिवार्य रूप से भरवाएँ। उन्होंने सभी ईआरओ को उनके क्षेत्र के बीएलओ को घर-घर भेजकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु पात्र नागरिकों के ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन फार्म 6 भरवाने के निर्देश प्रदान किए हैं ताकि देश की भावी पीढ़ी सहित अन्य छुटे हुए पात्र नागरिकों को मतधिकार प्रदान कर भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूती प्रदान की जा सके।

## जयपुर में फ्रांस के नागरिक के महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले

**जयपुर (कासं)।** जयपुर की आतिथ्य सत्कार की परंपरा और राजस्थान पुलिस की संवेदनशीलता का एक और बेहतरीन उदाहरण सामने आया है। जयपुर भ्रमण पर आई एक फ्रांसीसी महिला नागरिक रहिमे धाऊई के महत्वपूर्ण दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, नेशनल आईडी और कई बैंकों के क्रेडिट कार्ड्स सिंधी कैप बस स्टैंड से जालपुरा के बीच सड़क पर गिर गए थे, गनीमत यह रही कि ये सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रूप से पर्यटक सुरक्षा बल के पास पहुंच गए।

### क्या है पूरा मामला ?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक फ्रांसीसी पर्यटक के कुछ आवश्यक दस्तावेज और कार्ड्स सिंधी कैप से जालपुरा के बीच मुख्य मार्ग पर गिर गए थे। जब ये दस्तावेज राजस्थान पुलिस की पर्यटक सुरक्षा बल टीम को मिले, तो उन्होंने बिना किसी विलंब के तुरंत इसकी छानबीन शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिंधी कैप और विधायकपुरी थाने में इसकी जानकारी जुटाई गई, हालांकि इस संबंध में पुलिस थाने में कोई गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कार्ड गई थी। इसके बावजूद पुलिस ने मानवता का परिचय देते हुए संबंधित फ्रांसीसी नागरिक तक संपर्क साधने के लिए दूतावास के माध्यम से भी वार्ता और प्रयास शुरू कर दिए हैं।



## राज्यपाल बागडे ने बंगलुरु स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग' में आयोजित समारोह में भाग लिया

**जयपुर (कासं)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बंगलुरु स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग' की स्थापना के 45 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने 'आर्ट ऑफ लिविंग' के प्रणेता रविशंकर से संवाद करते हुए उनके 70 वें जन्मदिन को 'सुशासन, सामाजिक सामंजस्य, शांति और सतत विकास' के आलोक में समारोहपूर्वक मनाए जाने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने श्री श्री रविशंकर जी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मानवीय मूल्यों, शांति एवं सद्भाव के लिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सनातन संस्कृति के प्रसार में रही उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति मानवीय मूल्यों पर ही जोर देती है। उन्होंने ज्ञान परम्परा में श्री श्री रविशंकर जी के अवदान की चर्चा करते हुए कहा कि ज्ञान मृत्यु से भी नहीं डरता।

## युवाओं की भारी भागीदारी के साथ सीकर भर्ती रैली का सफलतापूर्वक समापन

**जयपुर (कासं)।** भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), जयपुर द्वारा सीकर और जयपुर जिलों के उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली 01 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2026 तक जिला स्टेडियम, सीकर में आयोजित की गयी थी। इसके अतिरिक्त, राजस्थान के सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल की केन्द्रीय श्रेणी के लिए भी भर्ती आयोजित की गई। राजस्थान के युवाओं की विशेषता देशभक्ती और जोश का प्रदर्शन करते हुए रैली में बड़ी संख्या में भाग लिया, परिणामस्वरूप 90 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए। भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और ईमानदारी सुनिश्चित करने के उपायों के तरह, शारीरिक फिटनेस परीक्षणों के दौरान प्रदर्शन बढ़ाने वाले पदार्थों का उपयोग को रोकने के लिए भर्ती रैली में ड्रग टेस्ट की भी परीक्षण किया गया। निर्दोष अभ्यर्थी किसी दलालों और बेईमान तत्वों के झांसे में न आए इसके लिए कड़े दलाली विरोधी उपाय किए थे। मुख्यालय भर्ती



क्षेत्र, जयपुर ने विश्वास व्यक्त किया की इन पहलों से भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता और मजबूत होगी, अधिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा और योग्य उम्मीदवारों को सेना में शामिल होने का उचित अवसर मिलेगा। मुख्यालय भर्ती क्षेत्र, जयपुर रैली के लिए किये गए सहयोग और व्यवस्थाओं के लिए नागरिक प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। आवश्यक प्रशासनिक और रसद व्यवस्थाओं की समय पर उपलब्धता ने भर्ती गतिविधियों के कुशल संचालन और भाग लेने वाले उम्मीदवारों की सुविधा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यालय भर्ती क्षेत्र

जयपुर ने बताया कि ऑनलाइन भर्ती परीक्षा (सीईई) शुरू होने से भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी हो गई है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि अनजान व्यक्ति / बिचोलिये के जाल में न आए जो निश्चित चयन के झूठे वादे करते हैं। संभावित उम्मीदवारों को यह भी समझाया गया की भारतीय सेना में चयन पूरी तरह से योग्यता और निर्धारित भर्ती मानकों पर आधारित है, इसलिए उम्मीदवारों को अपनी क्षमता, तैयारी और संकल्प पर भरोसा करने और राष्ट्र के सेवा के लिए उत्साह और अटूट प्रतिबद्धता के साथ भर्ती रैलीयों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

## महापौर की मौजूदगी में स्वच्छता उत्सव: कर्मचारियों ने संभाला मोर्चा



**जयपुर (कासं)।** शुक्रवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत वार्ड नं. 43 में रिद्धि सिद्धि चौराहा पर स्वच्छता उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर, DC मानसरोवर, स्थानीय पार्षद एवं CSI, संबंधित SI तथा PIU जोन प्रभारी, वार्ड के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान महापौर द्वारा सभी उपस्थित जन को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात कर्मचारियों को उनके द्वारा किए जाने वाले स्वच्छता संबंधी चिन्हित कार्यों की जानकारी देकर निर्धारित एवं चिह्नित क्षेत्रों में सफाई कार्य हेतु भेजा गया।

### राजस्थान में विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ की बड़ी कार्रवाई

## बिना सत्यापन चल रहे 79 धर्मकांटे जब्त, भंडारेज टोल प्लाजा के 16 धर्मकांटे भी सीज

### पूरे प्रदेश में 380 धर्मकांटों का निरीक्षण, 10.95 लाख का जुर्माना लगाया

**जयपुर (कासं)।** उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा टोल प्लाजा पर संभावित अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उपभोक्ता मामले विभाग के विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा 21 एवं 22 अक्टूबर को प्रदेशव्यापी विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पूरे राज्य में 380 धर्मकांटों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से बिना वैध सत्यापन के संचालित पाए गए 79 धर्मकांटों को जब्त किया गया। अभियान के तहत प्रदेशभर में कुल 10,95,000 का जुर्माना लगाया गया।

**भंडारेज टोल प्लाजा, दौसा पर बड़ी कार्रवाई** अभियान के दौरान दौसा जिले

के भंडारेज टोल प्लाजा पर बिना वैध सत्यापन के संचालित धर्मकांटे पाए जाने पर विभाग ने सख्त कार्रवाई की। यहां 16 धर्मकांटों को जब्त कर लिया गया ताकि बिना सत्यापन की तौल प्रणाली के माध्यम से आगे किसी भी प्रकार की संभावित अनियमितता को रोकना जा सके।

**बिना सत्यापन के धर्मकांटे से उपभोक्ताओं को कैसे हो सकता है आर्थिक नुकसान**

टोल प्लाजा पर भारी वाहनों से लिए जाने वाले टोल शुल्क का निर्धारण कई बार वाहन के वजन एवं संबंधित टोल नियमों के आधार पर किया जाता है। ऐसे में यदि टोल उपकरण के बिना सत्यापन नहीं हुआ है तो उसकी माप की शुद्धता



सुनिश्चित नहीं मानी जा सकती। गलत तौल के कारण वाहन का वजन वास्तविक वजन से अधिक दर्ज होने पर वाहन स्वामी से निर्धारित शुल्क से अधिक टोल वसूल जाने की आशंका रहती है।

इसके अतिरिक्त, गलत तौल से परिवहन लागत, मालभाड़े और अन्य वजन-आधारित भुगतानों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी प्रकार की संभावित अनियमितताओं को रोकने, तौल में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं एवं वाहन स्वामियों के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए विभाग द्वारा यह विशेष अभियान चलाया गया। विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ ने स्पष्ट किया है कि सभी धर्मकांटों एवं तौल उपकरणों का नियमानुसार वैध सत्यापन कराया जाना आवश्यक है। बिना वैध सत्यापन के तौल उपकरण का उपयोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विभाग द्वारा आगे भी निरीक्षण अभियान जारी रखकर तौल में शुद्धता, पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

## न्यूज इनबॉक्स

### चारु मीणा एपीआरओ से बनीं पीआरओ, जयपुर कलेक्ट्रेट में संभाला कार्यभार



**जयपुर (कासं)।** सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के तहत श्रीमती चारु मीणा को सहायक जनसंपर्क अधिकारी (एपीआरओ) से जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ), के पद पर पदोन्नत किया गया है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती चारु मीणा वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर में सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। विभागीय आदेश की अनुपालना में उन्होंने उपनिदेशक हेमंत सिंह को जनसंपर्क अधिकारी पद का कार्यग्रहण प्रतिवेदन प्रस्तुत कर जनसंपर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। श्रीमती चारु मीणा की पदोन्नति पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं इस दौरान मानसिंह मीणा (उपनिदेशक), राजेश भीमवाल, रतन लाल सैनी, जितेंद्र कसाना, आशिमा सोनी, हितेश महरिया, अनिल सैनी, दिनेश सैनी, विशाल उपस्थित रहे।

### राज्यपाल से केंद्रीय राज्य मंत्री अठावले ने की मुलाकात

**जयपुर (कासं)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

### छात्रवृत्ति पोर्टल पर विद्यार्थियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज की अंतिम तिथि बढ़ाई

**जयपुर (कासं)।** राज्य में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2025-26 के लिए विद्यार्थी अब 30 नवम्बर तक छात्रवृत्ति पोर्टल पर बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करवा सकता है। विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों के हित में यह तिथि बढ़ाई गई है। इससे जरूरतमन्द विद्यार्थियों को राहत मिलेगी।

### एशियन पैरा गेम्स में भारत को स्वर्ण पदक मिलने पर राज्यपाल बागडे ने दी बधाई

**जयपुर (कासं)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन रा।11 स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ी मोना अग्रवाल को, पुरुष बैडमिंटन एकल SLy स्पर्धा में नवीन शिवकुमार को एवं पुरुषों की रिक्व डबल्स तीरंदाजी स्पर्धा में हरविंदर सिंह, विजय सुंडी को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इनके खेल प्रदर्शन से पूरा देश गौरवान्वित हुआ है। बागडे ने भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के जारी रहने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि देश को अपने इन खिलाड़ियों पर गर्व है।

### राज्यपाल ने स्व. भैरोंसिंह शेखावत स्मारक पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की



**जयपुर (कासं)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे स्व. भैरोंसिंह शेखावत की जयंती पर, विद्याधर नगर स्थित उनके स्मृति स्थल पर पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने वहीं स्मारक स्थल पर हरि कीर्तन भी सुना।

उन्होंने कहा कि राजनीति में सुविधा से जुड़े स्व. शेखावत गरीबों और वंचित तबके के लिए, निरंतर कार्य करने वाले लोकप्रिय राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने स्व. शेखावत के आदर्श और सिद्धांतों को अनुकरणीय बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

### कार्यालय नगरपालिका महवा (दौसा) राज0

क्रमांक-नाम/ 2026-27 / 930 दिनांक- 16.10.2026  
**:- निविदा आमंत्रण सूचना :-**  
 नगर पालिका महवा द्वारा कचरा पात्र एवं बैच कचरे का कार्य की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन नं. (DLB2627WSRC22658), (DLB2627WSRC22659) है। निविदा सूचना एवं शर्तें राजस्थान उपापन पोर्टल की वेबसाइट [www.sppp.raajasthan.gov.in](http://www.sppp.raajasthan.gov.in) एवं <https://leproc.raajasthan.gov.in> पर देखी जा सकती है।  
 अधिशासी अधिकारी राज.संवाद / सी / 26 / 12358 नगर पालिका महवा

**OFFICE OF THE Member Secretary RMRS & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER, JAISALMER**  
 No. E-1(RMRS/NIB/2026-27/01 Dated: 09.10.2026  
**:- Notice Inviting E-BID:-**  
 Bids for Rate Contract for Service Beneficiary Facilitation Agency for MAA YOJANA & RGHS in Govt. Jawahir Hospital, Jaisalmer are invited from Interested Service Provider Agencies up to 27.10.2026 12.00PM. For other particulars of bid may be visited portal (<http://shpp.raajasthan.gov.in> and <http://sppp.raajasthan.gov.in>). The approximate value of the procurement is RS. 80.00 Lacs.  
 UBN: Services/2026-27/0059/058  
 The Member Secretary & Principal Medical Officer, Govt. Jawahir Hospital Jaisalmer  
 DIPRC/17933/2026